TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

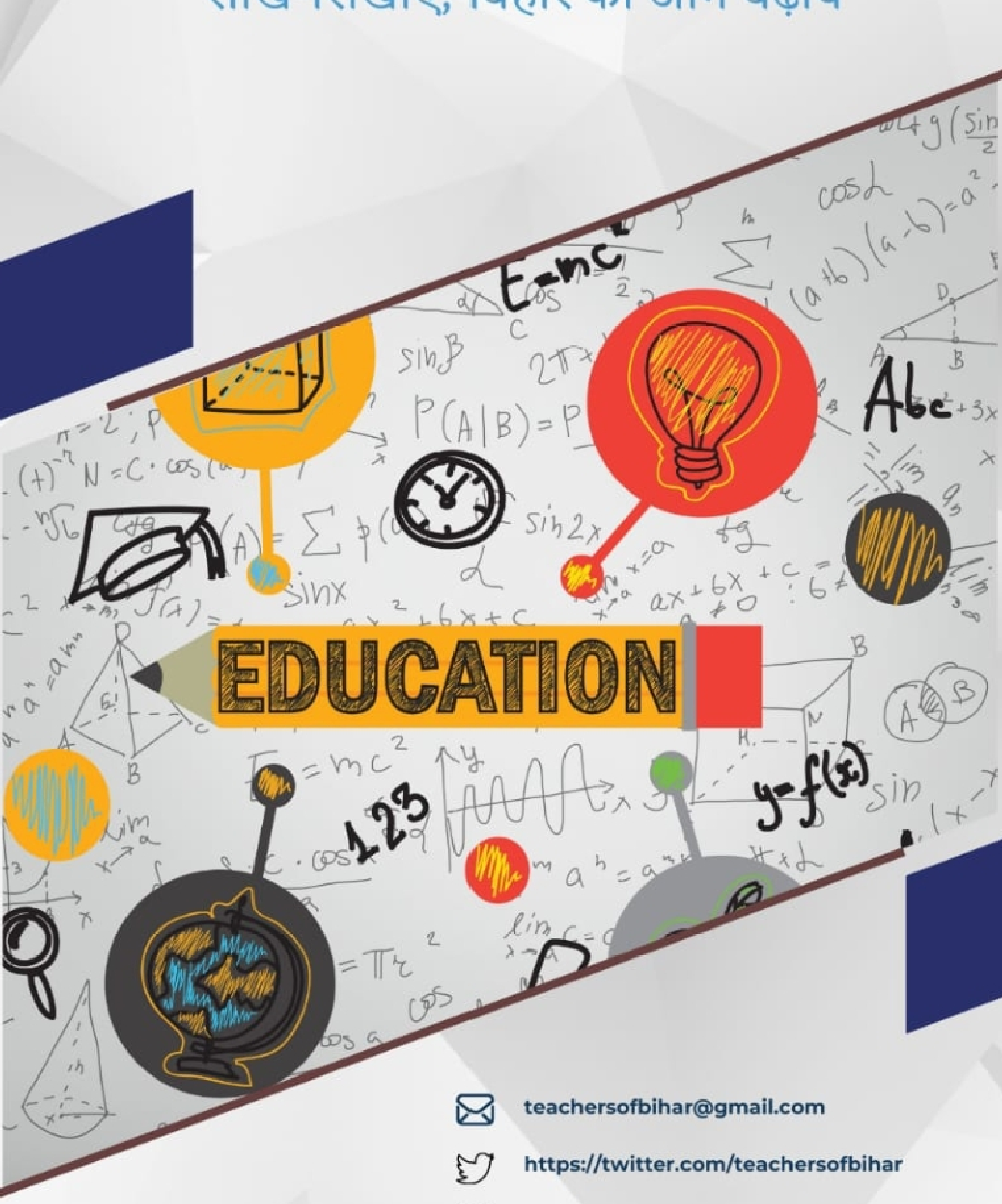

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

25 अगस्त 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

कम चीजों के साथ जीवन जीना

सबसे बड़ी दौलत है।

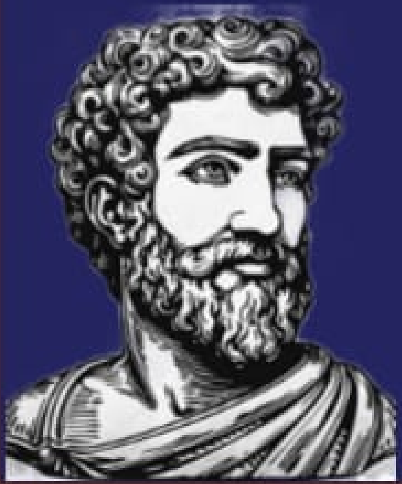

प्लेटो

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्ज्वल

25 अगस्त

1. **नील आर्मस्ट्रांग का निधन–** चाँद पर कदम रखने वाले दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग का निधन 25 अगस्त, 2012 ई. को हुआ था। उनके सम्मान में चन्द्रमा पर एक क्रेटर और सौरमंडल के एक क्षुद्र ग्रह का नामकरण उनके नाम पर किया गया है।

2. **पोलो वर्ल्ड कप जीत–** 25 अगस्त, 1957 ई. को भारत–फ्रांस में हुई पोलो वर्ल्ड चैम्पियनशिप के फाइनल में भारत ने जीत दर्जकर विश्व विजेता का खिताब हासिल किया। 1957 में विश्व विजेता बनी भारतीय पोलो टीम का नेतृत्व महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय ने किया था।

3. **हरिभाऊ उपाध्याय का निधन–** भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार तथा राष्ट्रसेवी हरिभाऊ उपाध्याय का निधन 25 अगस्त, 1972 ई. को हुआ था। गांधी जी से प्रभावित होकर ये राष्ट्रीय आंदोलन में कूद पड़े। उनके प्रमुख रचनाओं में 'स्वतंत्रता की ओर', 'बापू के आश्रम में', 'साधना के पथ पर', 'दूर्वादल', 'युगधर्म' आदि प्रमुख है। भारत सरकार ने उन्हें पदम भूषण से सम्मानित किया था।

4. **जेम्स वॉट का निधन–** वाष्प इंजन के अविष्कारक जेम्स वॉट का निधन 25 अगस्त, 1819 ई. को बर्मिंघम, इंग्लैंड में हुआ था। भाप के दबाव को दर्ज तथा आयतन के अनुपात को दर्ज करने के लिए एक ऐसा संकेतक बनाया, जिसे थर्मोडायनामिक्स कहते हैं।

5. **माइकल फैराडे का निधन–** भौतिक विज्ञानी और रसायनशास्त्री माइकल फैराडे का निधन 25 अगस्त, 1867 ई. को हुआ था। उन्होंने विद्युतधारा के चुम्बकीय प्रभाव का आविष्कार किया था। उन्होंने विद्युतचुम्बकीय प्रेरण का अध्ययन करके उसको नियमबद्ध किया। इससे डायनेमो तथा विद्युत मोटर का निर्माण हुआ।

6. **फिरोजशाह तुगलक की ताजपोशी–** सुल्तान फिरोजशाह तुगलक तृतीय की ताजपोशी 25 अगस्त, 1351 ई. को की गई थी। मुहम्मद तुगलक की मृत्यु के बाद 20 मार्च, 1351 ई. को फिरोज तुगलक का राज्याभिषेक थट्टा के निकट हुआ था। पुनः फिरोज का राज्याभिषेक दिल्ली में अगस्त, 1351 में हुआ। सुल्तान बनने के बाद फिरोजशाह तुगलक ने सभी कर्जे माफ कर दिये, जिसमें सोंधर ऋण भी शामिल था, जो मुहम्मद तुगलक के समय किसानों को दिया गया था। उसने उपज के हिसाब से लगान निश्चित किया। फिरोज तुगलक ने दिल्ली सल्तनत से अलग हुए अपने प्रदेशों को जीतने के अभियान के अंतर्गत बंगाल एवं सिंध पर आक्रमण किया। बंगाल को जीतने के लिए सुल्तान ने 1353 ई. में आक्रमण किया लेकिन असफलता हाथ लगी।

Friday

दिवस विशेष

25 अगस्त

मधु प्रिया

हरिभाऊ उपाध्याय का निधन 25 अगस्त

हरिभाऊ उपाध्याय का जन्म 24 मार्च 1892 को मध्य प्रदेश में उज्जैन जिले के भौंरोसा नामक गांव में हुआ था। विद्यार्थी जीवन से ही उनके मन में साहित्य के प्रति चेतना जागृत हो गई थी। संस्कृत के नाटकको तथा अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासों के अध्ययन के बाद वे उपन्यास लेखन की ओर अग्रसर हुए। पत्रकारिता जगत में प्रदार्पण हरीभाऊ उपाध्याय ने हिंदी सेवा से सार्वजनिक जीवन आरंभ किया और पहले पहल "औटुम्बर" मासिक पत्र के प्रशासन द्वारा हिंदी पत्रकारिता जगत में पदार्पण किया। सबसे पहले सन 1911 में "औटुम्बुर" के संपादक बने। पढ़ते-पढ़ते ही इन्होंने इसके संपादन का कार्य भी आरंभ किया। महावीर प्रसाद द्विवेदी का सानिध्य "औटुम्बर" में अनेक विद्वानों के विविध विषयों से समृद्ध पहली बार लेखमाला निकली, जिससे हिंदी भाषा की स्वाभाविक प्रगति हुई। इसका श्रेय हरिभाऊ के उत्साह एवं लगन को ही है। सन 1915 ईस्वी में हरिभाऊ उपाध्याय महावीर प्रसाद द्विवेदी के सानिध्य में आए हरिभाऊ स्वयं लिखते हैं कि, औटुम्बर की सेवाओं ने मुझे आचार्य द्विवेदी जी की सेवा में पहुंचाया। द्विवेदी जी के साथ "सरस्वती" में काम करने के पश्चात हरीभाऊ उपाध्याय ने "प्रताप", "हिंदी नवजीवन"(सन् 1921) और "प्रभा" के संपादन में योगदान दिया और स्वयं "मालव मयूर" नामक पत्र निकालने की योजना बनाई किंतु यह पत्र अधिक दिन नहीं चल सका। हिंदी साहित्य की सेवा हरिभाऊ उपाध्याय की हिंदी साहित्य को विशेष देन उनके द्वारा बहुमूल्य पुस्तकों का रूपांतरण है। हरिभाऊ का प्रयास हमें भारतेंदु काल की याद दिलाता है, जब प्राय: सभी हिंदी लेखक बंगला से हिंदी में अनुवाद करके साहित्य की अभिवृद्धि करते थे। अनुवाद करने में भी उन्होंने इस बात का सदा ध्यान रखा की पुस्तक की भाषा लेखक की भाषा और उसके व्यक्तित्व के अनुरूप हो। अनुवाद पढ़ने से यह अनुभव नहीं होता कि अनुवाद पढ़ रहे हैं यही अनुभव होता है कि मानो स्वयं मूल लेखक की ही वाणी और विचारधारा अविरल रूप से उसी मूल स्रोत से बढह रही है। इस प्रकार हरिभाऊ ने अपने साथी जननायकों के ग्रन्थों का अनुवाद करके हिंदी साहित्य को व्यापकता प्रदान की। 25अगस्त 1972 को इनका देहांत हुआ।

खेल कॉर्नर

शूटिंग

मनु एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय

हरियाणा के झज्जर की रहने वाली मनु ने विमेंस इंडिविजुअल 10 मीटर एयर पिस्टल में और मिक्स्ड इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर ब्रॉन्ज जीते थे। वे एक ही ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं।

मनु भाकर

ओलिंपिक डबल ब्रॉन्ज मेडलिस्ट

गेम
शूटिंग (10 और 25 मीटर एयर पिस्टल)

ट्रेनिंग
करणी सिंह शूटिंग रेंज, दिल्ली

पर्सनल कोच
जसपाल सिंह राणा

अवॉर्ड्स
अर्जुन अवॉर्ड (2020)

जन्म
18 फरवरी, 2002
(झज्जर, हरियाणा)

माता-पिता
डॉ. सुमेधा और रामकिशन भाकर

एजुकेशन
ग्रेजुएशन, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली

अदर गेम्स
टेनिस, बॉक्सिंग, स्केटिंग, कराटे, आर्चरी

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 25.08.2024

डिस्प्रेक्सिया

डिस्प्रैक्सिया एक न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क) और विकासात्मक स्थिति है। यह प्राथमिक विद्यालय आयु वर्ग के 20 में से लगभग 1 बच्चे को प्रभावित करता है। इसे विकासात्मक समन्वय विकार (DCD) भी कहा जाता है। डिस्प्रैक्सिया से पीड़ित लोगों को मोटर कौशल सीखने और करने में समस्या होती है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
मंडल आयोग के अध्यक्ष, दबे-कुचले
एवं पिछड़ों को उनका हक दिलाने वाले
बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री
बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल
की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।
जन्म- 25 अगस्त 1918
मृत्यु - 13 अप्रैल 1982
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

25 अगस्त

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं प्रसिद्ध साहित्यकार

हरिभाऊ उपाध्याय

की पुण्यतिथि पर सादर नमन

24 मार्च 1892 - 25 अगस्त 1972

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

25
अगस्त

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

भारत के प्रसिद्ध साहित्यसेवी
एवं राष्ट्रकर्मी

हरिभाऊ उपाध्याय

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि
नमन।

24 मार्च 1892-25 अगस्त 1972

Madhu priya